08 मई 2023 को सशस्त्र बल झंडा दिवस कोष (एएफएफडीएफ) की राज्य प्रबंधन समिति की 48वीं बैठक में माननीय राज्यपाल का अभिभाषण

आज मेरे लिए यह अनूठा अवसर है कि मैं सशस्त्र बल झंडा दिवस कोष की राज्य प्रबंधन समिति की बैठक की अध्यक्षता कर रहा हूँ। यह समिति भूतपूर्व सैनिकों, युद्ध में देश के लिए अपने प्राणों की आहूति देने वाले वीर जवानों की विधवाओं, युद्ध नायकों, दिव्यांग सैनिकों और उनके कल्याण और पुनर्वास के लिए कार्य करती है।

आगे बढ़ने से पहले मैं उन सभी सशस्त्रबलों के कार्मिकों को श्रद्धासुमन अर्पित करता हूँ, जिन्होंने मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। मैं देश की क्षेत्रीय अखण्डता को प्रभावी ढंग से सुरक्षित रखने के लिए रक्षा सेवा के पूर्व सैनिकों व सेवारत जवानों के प्रति भी कृतज्ञता प्रकट करता हूँ। मैं यहां मौजूद सभी लोगों को आश्वाशन देता हूँ कि सरकार राज्य के पूर्व सैनिकों के विकास और कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है।

यह जानकर प्रसन्नता हुई कि सैनिक कल्याण निदेशालय, असम 40 हजार एक सौ दस से भी अधिक पूर्व सैनिकों, 8842 सैनिकों की विधवाओं और दोगुने से ज्यादा उनके आश्रितों की समस्याओं के निवारण, कल्याण और पुनर्वास के लिए उल्लेखनीय कार्य कर रहा है।

यह भी जानकर खुशी हुई कि राज्य में सेना भूतपूर्व सैनिकों के कल्याण को सुनिश्चित करने के लिए अपने संसाधनों से संभावित तरीके से योगदान दे रही है।

मुझे बताया गया कि

23 अप्रैल 2022 को श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र में माननीय मुख्यमंत्री श्री हिमंत विश्व शर्मा ने 1971 के भारत-पाक युद्ध में सक्रिय भूमिका निभाने वाले 103 भूतपूर्व सैनिकों, युद्ध विधवाओं और दिव्यांग सैनिकों को सम्मानित किया गया।

इसके अलावा दिघलीपुखरी के स्टेट वार मेमोरियल ने लायंस क्लब ऑफ गौहाटी के साथ संयुक्त रूप से **ऑपरेशन विजय** के वीर शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिए 26 जुलाई 2022 को कारगिल विजय दिवस मनाया।

लोह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर 31 अक्टूबर 2022 को स्टेट वार मेमोरियल में राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया। ऐसे कायर्क्रम वीर जवानों को सच्ची श्रद्धांजलि होती है और हमारी युवा पीढ़ी को रक्षा क्षेत्र के लिए प्रोत्साहित भी करते हैं।

अन्त में मैं कहना चाहूँगा कि सेवानिवृत्त रक्षा अधिकारियों द्वारा दी गई सेवा को ध्यान में रखते हुए यह हमारी राष्ट्रीय जिम्मेदारी है कि हम पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों व आश्रितों की देखभाल करें। इसलिए सैनिक कल्याण निदेशालय, असम को भूतपूर्व सैनिक समुदाय को अपना महत्वपूर्ण सहयोग देना जारी रखना चाहिए।

मैं निदेशालय को भविष्य की प्रभावी प्रयासों के लिए शुभकामनाएं देता हूँ।

जय हिन्द